

मूल्यांकन : दम घुटना के उत्तर

यह मूल्यांकन दो भागों में किया जाएगा :

1. लिखित परीक्षा 36 अंक – उत्तीर्ण होने के लिए 18 अंक
लिखित परीक्षा (उत्तिर्णांक 50 प्रतिशत)

लिखित परीक्षा

1. प्रसव पीड़ा के दौरान दिखाई देने वाले ऐसे कोई 4 लक्षण बताएँ जिनसे दम घुटे शिशु के जन्म का संकेत मिलता हो ? (प्रत्येक उत्तर के लिए 1 अंक $\times$ 4 = 4 अंक)

1. समय से पूर्व जन्म
2. लम्बी प्रसवपीड़ा या प्रसव के समय अन्य परेशानी
3. हरे रंग के द्रव्य का योनि से निकलना
4. योनि से कम द्रव्य निकलना (शुक्र प्रसव)

अन्य सही उत्तर : नाल का पहले निकलना या शिशु के गर्दन के चारों ओर नाल लिपटी होना, ब्रीच (या अन्य असामान्य) प्रसव होना

2. सरोज ने एक शिशु को सुबह 7:15 पर जन्म दिया। शिशु न रोया, न उसने साँस ली। (प्रत्येक उत्तर के लिये 2 अंक $\times$ 6 = 12 अंक)

आप सबसे पहले कौन से 2 कदम उठाएँगी।

1. शिशु को पोंछे और कपड़े से ढँके
2. बिल्टा पंप का प्रयोग करें।

शिशु तब भी रोया नहीं, न उसने साँस ली

3. ऐसे में आप क्या करेंगी ? बैग और मास्क की सहायता से कृत्रिम साँस दें।
4. कितनी देर तक ? जब तक कि शिशु स्वयं साँस न लेने लगे या 10 मि. तक 7:25 बजे तक शिशु न रोया, न उसने साँस ली।
5. अब क्या कदम उठाएँगी ? कृत्रिम साँस देना बंद कर दें।
6. प्रसव फॉर्म में आप शिशु के बारे में क्या लिखेंगी ? मृत शिशु जन्म

3. इन्दिरा ने 24 घंटे तक चली लंबी प्रसव पीड़ा के बाद दोपहर 12:10 बजे एक शिशु को जन्म दिया। योनि से निकले द्रव का रंग हरा सा था और शिशु 7 माह 20 दिन के गर्भकाल में जन्मा।
(प्रत्येक उत्तर के लिये 2 अंक $\times$ 10 = 20 अंक)

1. क्या शिशु में दम घुटने के लक्षण हैं ? हाँ

यदि हाँ, तो कौन से ?

2. शिशु का समय से पूर्व जन्म
3. 24 घं. से अधिक चली प्रसवपीड़ा
4. हरे रंग का द्रव योनि से निकलना

शिशु धीमे-धीमे रो रहा है पर साँस ठीक से नहीं ले रहा।

आप क्या करेंगी ?

5. शिशु को पोंछे
6. उसे गर्म रखने के लिये कपड़ा ओढ़ाएँ
7. स्राव बाहर निकालने के लिये चूषण पम्प का प्रयोग

एक मिनट के बाद शिशु रोने और ठीक से साँस लेने लगता है। अब आप क्या करेंगी ?

8. कृत्रिम साँस देना बंद कर दें
9. माँ के पास लिटाएँ
10. स्तनपान शुरू कराएँ।

प्रात्यक्षिक मूल्यांकन अंकतालिका

(प्रत्येक कदम में 3 अंक $\times$ 22 बातें = 66 अंक, उत्तिर्णांक 40 (60 प्रतिशत))

जन्मतेही दम घुटने के उपचार में शुरूआती कदम:

1 से 3 के पैमाने के अनुसार प्राप्त अंक (अधिकतम अंक 3)

आशा का नाम					
1. झिल्लि फटने पर पानी का रंग कैसा था यह देखें या माँ से पूछें।					
2. यदि पानी गाढ़ा पीला या हरा हो तो जैसे ही शिशु का सिर दिखने लगे (पूरा शिशु बाहर आने से पहले) वैसेही पट्टी वाले कपड़े से शिशु का मुँह अंदर से साफ करें।					
3. शिशु पैदा होते ही जन्म का समय नोट करें और समय की गिनती आरंभ करें।					
4. जन्मतेही शिशु रोता नहीं, सोंस नहीं लेता, धीमे सोंस लेता है या हॉफता है – जन्मतेही दम घुटने के बारे में निर्णय करें।					
5. शिशु को पोंछें					
6. शिशु को कपड़े से ढँके।					

चूषण पंप के प्रयोग के लिये जाँच-सूची

1 से 3 के पैमाने के अनुसार प्राप्त अंक (अधिकतम अंक 3)

आशा का नाम					
1. शिशु को सही स्थिति में रखें, पोंछें, कपड़े में लपेटें और तौलिया तह करके कंधों के नीचे रख दें। शिशु का सिर थोड़ा पीछे और गर्दन तनी हुई।					
2. विसंक्रमित किये हुये उपकरण को खोल से बाहर निकालें।					
3. एक मुँह वाली नली का अगला हिस्सा अपने मुँह में रखें। दूसरी नली को उसके खुले भाग से। हाथ छोड़कर दूसरे हाथ से पकड़ें।					
4. दूसरी नली का खुला भाग आधा अंगुल शिशु के मुँह में डालें और मुँह के स्रावों को निकालने के लिए कुछ देर तक मुँह के अंदर धुमाते हुए चूषण करें। यदि शिशु रोने लगे और ठीक से साँस लेने लगे तो रुक जाएँ। यदि अभी भी न रोए/साँस न ले, तो अगला कदम उठाएँ।					
5. लगभग एक अंगुल नली को शिशु के गले में डालें और धीरे से गले के स्रावों का चूषण करें। यदि शिशु रोने/साँस लेने लगे, तो, रुक जाएँ अन्यथा अगला कदम उठाएँ।					
6. शिशु के गले और मुँह से नली निकाल लें, उसका खुला सिरा उसके एक नासिका छिद्र में डालें और धीरे से चूषण करें। इसी तरह दूसरी तरफ की नासिका छिद्र से भी निकालें।					
7. जब सारा स्राव निकाल चुकें तो इस उपकरण को फेंक दें। (इसे दोबारा प्रयोग नहीं करना चाहिए)					

बैग और मास्क के प्रयोग के लिये जाँच-सूची

1 से 3 के पैमाने के अनुसार प्राप्त अंक (अधिकतम अंक 3)

आशा का नाम					
1. शिशु को ठीक से लिटाएँ, पोंछे, कपड़ों में लपेटें और अच्छी तह किया हुआ तौलिया कंधों के नीचे रखें, ताकि ठुड़ी ऊपर उठे (गर्दन तनी हुई, सर पीछे)					
2. उसके मुँह और नाक के चारों ओर बैग से जुड़ा मास्क रखें हवा बाहर न निकले, ऐसी सील लग जाए।					
3. बैग को 40 बार प्रति मि. की दर से दबाएँ।					
4. ध्यान रहे कि प्रत्येक बार हवा देते समय शिशु की छाती ऊपर उठे।					
5. यदि छाती ऊपर न उठे तो – सिर की स्थिति ठीक करें, और दोहराएँ – मास्क की स्थिति ठीक करें एवं देखें कि हवा बाहर न निकले। – ज्यादा हवा अंदर जाए इसलिए बैग पर दबाव बढ़ाएँ। – यदि अधिक स्राव हो तो पुनः चूाण करें। – यदि इतना करने पर भी छाती ऊपर न उठे तो बैग को मास्क से निकाल दें और शिशु के मुँह और नाक के चारों ओर मास्क रखें और सीधे मास्क में अपने मुँह से फूँके।					
6. 1 मि. तक हवा देने के बाद देखें कि शिशु अपनेसे रोया/साँस ली। यदि नहीं, तो हवा देना जारी रखें।					
7. प्रत्येक दो मिनट अथवा 80 बार बैग दबाने के बाद रुकें और कुछ क्षण जाँचे कि शिशु रोया/साँस ली। यदि हाँ तो रुक जाएँ, यदि नहीं तो जारी रखें।					
8. यदि 20 मि. तक साँस देने के बाद भी शिशु नहीं हाँफता या साँस लेना शुरू नहीं करता, तो हवा देना बंद कर दें।					
9. कृत्रिम साँस देना बंद करने के बाद बैग और मास्क को साबुन और पानी से धोएँ और सुखाकर उसे उसके डब्बे में रख दें।					